संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार | **CCRT Newsletter**

खण्ड 3 • अंक 12 • दिसम्बर 2025 | Volume 3 • Issue 12 • December, 2026

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

सत्य को सामने लाने का कार्य कवियों ने वैज्ञानिक तथा दर्शन शास्त्रीय पर छोड़ देना चाहिये। यदि कवि की काव्य-रचना से हमें आनंद की प्राप्ति होती है तो उनकी गलतियों की ओर हमने ध्यान नहीं देना चाहिये। कवियों को सम्मान के साथ सीमा से बाहर कर देना चाहिये इस प्लेटो के विचार से वे सहमत नहीं थे। ॲरिस्टॉटल के इस विचार से भी कि काव्य ने डर एवम् करूणा इन भावनाओं विरेचन (कॅथार्सिस) करना चाहिये, वे सहमत नहीं थे। उनके अनुसार आनंद प्रदान करना ही काव्य का उद्देश्य है। इसी प्रकार 'नवीनता' (नॉव्हेल्टी) इस संकल्पना को भी पुनरूत्थान युग के विद्वानों ने मान्यता दी। नया अविष्कार करना होगा तो प्राचीन कला की नकल करनी उचित नहीं ऐसा वे मानते थे। नई बातों को लेकर कवियों ने अपनी विषय-वस्तु का चुनाव करना चाहिये। नये विषयों की खोज कल्पना के माध्यम से करना यानि अविष्कार नहीं होता। उनके अनुसार चित्रकार नकल करता है एवम् कवि मूलभूत वस्तु प्रदान करता है। ड्युरर के अनुसार ईश्वर कुछ लोगों को महान प्रतिभा का धनी बनाता है। ऐसे ही लोग महान कलाकार बनते है। कल्पना के साथ-साथ आकारों का भी संमिश्रण कौशल्य उनके पास होता है। प्रतिभावना लोगों के पास सृजनशीलता नामक गुण इतनी प्रचुर मात्रा में होता है और इतने स्वाभाविक रूप से होता है कि ऐसे व्यक्ति सैकड़ों साल जीवित रहे तो वे हमें ऐसे रूप प्रदान कर सकते हैं कि जो रूप हमने पहले कभी नहीं देखा। प्रतिभावना कलाकार कम समय में अपनी रचना पेश कर सकता है। उनके द्वारा रचित एवम् निर्माण कलाकृति की बराबरी सालों साल तक कोई नहीं कर सकता। ऐसे प्रतिभावना कलाकार बहुत ही ऊँचाई तक पहुँच जाते हैं।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

दिसम्बर 2025 की प्रमुख गतिविधियाँ

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत स्वच्छता कार्यशाला, उदयपुर

15 से 24 दिसम्बर, 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर द्वारा "स्वच्छता ही सेवा अभियान -2025" के अंतर्गत एक व्यापक स्वच्छता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अभियान का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसे दैनिक जीवन और शैक्षणिक संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना रहा।

अभियान के दौरान स्वच्छता शपथ, श्रमदान एवं परिसर स्वच्छता अभियान जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से न केवल सीसीआरटी स्टाफ और शिक्षक, बल्कि विद्यालयों के विद्यार्थी और स्थानीय समुदाय भी सक्रिय रूप से जुड़े।कार्यक्रमों की श्रृंखला में उदयपुर के नाई स्थित, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्वच्छ भारत मिशन पर आधारित एक आकर्षक कठपुतली शो के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस रचनात्मक माध्यम ने विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति रुचि और समझ को प्रभावी रूप से विकसित किया। इसके अतिरिक्त, धार स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, उदयपुर में अपशिष्ट प्रबंधन की अच्छी प्रथाओं तथा स्वच्छ भारत मिशन पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान आयोजित किया गया। वहीं विभिन्न सरकारी विद्यालयों में स्वच्छता जागरूकता रथ कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता शपथ, सीसीआरटी पैम्फलेट वितरण, स्वच्छता अभियान और जागरूकता भाषणों का आयोजन किया गया। सीसीआरटी परिसर में सीसीआरटी स्टाफ एवं शिक्षकों द्वारा शिक्षा में कठपुतली कला की भूमिका को रेखांकित करते हुए वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक शिक्षा का संदेश दिया गया। अभियान के दौरान आयोजित सत्रों में स्वच्छता को विद्यालयी पाठ्यचर्या एवं सह-शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। यह प्रयास किया गया कि स्वच्छता केवल एक सीमित अवधि का अभियान न रहकर विद्यार्थियों के दैनिक जीवन और विद्यालयी वातावरण की स्थायी आदत बने।

कुल मिलाकर, "स्वच्छता ही सेवा अभियान -2025" के अंतर्गत सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर द्वारा किए गए ये प्रयास स्वच्छ, स्वस्थ और जागरूक समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुए।

'स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025' के अंतर्गत स्वच्छता कार्यशाला, गुवाहाटी

13 से 18 दिसंबर 2025 तक सीसीआरटी, क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत पाँच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता, व्यक्तिगत व सामुदायिक स्वच्छ व्यवहार, कचरा प्रबंधन तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना था। कार्यशाला में अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे स्वच्छता के प्रति सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ हुई।

कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता शपथ के माध्यम से प्रतिभागियों को स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण हेतु प्रेरित किया गया। इसके साथ ही परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिससे स्वच्छता को व्यवहारिक रूप में अपनाने का संदेश दिया गया। विषय विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक के विकल्प, पुनर्चक्रण तथा पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला की विशेष आकर्षण 'वेस्ट टू आर्ट' शिल्प सत्र रहा, जिसमें बेकार वस्तुओं से उपयोगी व कलात्मक सामग्री तैयार कर रचनात्मकता एवं सतत विकास की अवधारणा को प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त, स्वच्छता विषय पर आधारित थीमैटिक कठपुतली प्रस्तुति ने संदेश को रोचक एवं प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे विशेष रूप से विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ी।

समग्र रूप से यह कार्यशाला न केवल स्वच्छ भारत मिशन के उद्देश्यों को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध हुई, बल्कि समुदाय में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सहभागिता की भावना को भी मजबूत किया। कार्यक्रम ने स्वच्छ और हरित भारत की दिशा में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम स्थापित किया।

एनईपी-2020 के अनुरूप 508वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(24 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2025), क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद में एनईपी -2020 के अनुरूप 508वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम का आयोजन 24 नवम्बर से 05 दिसम्बर, 2025 तक किया गया। इस पाठ्यक्रम में विभिन्न राज्यों से आए सेवारत शिक्षकों ने भाग लिया। एनईपी -2020 के अनुरूप 508 अनुस्थापन पाठ्यक्रम का को सिद्धि समारोह दिनांक 5 दिसंबर, 2025 के साथ संपन्न हुआ। क्षेत्राधिकारी श्रीमती एम. सौंदर्या कौशिक ने पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया, जिसके बाद प्रतिभागी शिक्षकों की प्रतिक्रियाएँ अत्यंत सकारात्मक रहीं।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को राज्यवार प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम का औपचारिक समापन धन्यवाद ज्ञापन तथा अंत में सभी ने राष्ट्रगान "जन गण मन" का सामूहिक गायन किया।

एनईपी-2020 के अनुरूप 509वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम : सिद्धि समारोह

(16 दिसम्बर, 2025), क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर द्वारा एनईपी -2020 के अनुरूप 509वाँ अनुस्थापन पाठ्यक्रम का सफल आयोजन 16 दिसम्बर, 2025 को किया गया। पाठ्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित सिद्धि समारोह का शुभारम्भ प्रतिभागियों द्वारा प्रशिक्षण अवधि के दौरान सीखी गई शिल्प कलाओं, तैयार की गई पाठ योजनाओं एवं परियोजना कार्यों की प्रदर्शनी से हुआ।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री अभीक सरकार क्षेत्राधिकारी ने सीसीआरटी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा भारतीय संस्कृति की निरंतरता एवं विविधता के संरक्षण एवं प्रसार में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने प्रतिभागियों को सीसीआरटी द्वारा प्रदत्त प्रशिक्षण को अपने-अपने विद्यालयों में प्रभावी रूप से लागू करने तथा उपलब्ध कराई गई प्रकाशन सामग्री के समुचित उपयोग हेतु भी प्रेरित किया।

एनईपी-2020 के अनुरूप 510वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(08 से 19 दिसम्बर, 2025 सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में दिनांक 08 से 19 दिसम्बर, 2025 तक एनईपी -2020 के अनुरूप 510वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम (शिक्षक/प्रशिक्षक हेतु) आयोजित किया गया, जिसमें 06 राज्यों से कुल 34 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। पाठ्यक्रम के अंतर्गत योग, भारतीय पौराणिक परंपराएँ, अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (लोक एवं जनजातीय परंपराएँ), कथा-कथन, समकालीन विश्वास, संप्रेषण कौशल, तथा एनईपी-2020 एवं एनसीएफ के संदर्भ में शिक्षा में नवाचार जैसे सैद्धांतिक विषयों पर सत्र आयोजित किए गए।

प्रायोगिक गतिविधियों में संगीत, नृत्य, स्वर-संचालन, सकारात्मक देह-भाषा, हिंदुस्तानी संगीत, भारतीय भाषाओं में गीत गायन शास्त्रीय नृत्य, ओडिसी, राजभाषा नीति एवं भारतीय भाषाएँ व साहित्य शामिल रहे। कौशल विकास के अंतर्गत पुस्तक बाइंडिंग, टाई एंड डाई, मिट्टी के बर्तन बनाना तथा मधुबनी पेंटिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों के लिए शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसमें कुतुब मीनार, हुमायूँ का मकबरा एवं राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण शामिल रहा।

दिनांक 19 दिसम्बर, 2025 को सिधि समारोह आयोजित हुआ, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा तैयार किए गए शैक्षिक मॉड्यूल एवं शिल्प सामग्री का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक, सीसीआरटी के स्वागत संबोधन से हुआ तथा श्री चंद्रमौली त्रिपाठी, क्षेत्राधिकार द्वारा पाठ्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर ने समापन संबोधन में प्रतिभागियों को बधाई दी, जबकि श्री राजीव कुमार, निदेशक, सीसीआरटी ने एनईपी-2020 की प्रासंगिकता एवं शिक्षण में संस्कृति के समावेशन पर बल दिया। यह पाठ्यक्रम प्रतिभागी शिक्षक-प्रशिक्षकों के लिए संस्कृति-आधारित एवं समग्र अधिगम की दिशा में एक सफल एवं ज्ञानवर्धक पहल सिद्ध हुआ।

मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

8 से 12 दिसम्बर, 2025 तक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में "शिक्षा हेतु एकीकृत दृष्टिकोण" विषय पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में 14 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित कुल 70 सीसीआरटी शिक्षकों ने भाग लिया। यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने का स्मरण" को समर्पित था। यह रिफ्रेशर कोर्स "वंदे मातरम्: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य" को समर्पित था।

अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

19 से 24 दिसंबर, 2025 तक "पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व" विषय पर एक अल्प अवधि प्रशिक्षण का आयोजन टी.वी.एस. मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जगन्नाथपुर, रांची, झारखंड में किया गया। इस प्रशिक्षण में झारखंड राज्य के रांची से कुल 82 स्थानीय शिक्षकों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य" को समर्पित था।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय, मटियाला, उत्तम नगर, नई दिल्ली	10-12 दिसंबर, 2025
2.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, विकासपुरी, नई दिल्ली	10-12 दिसंबर, 2025

3.	मुख्यमंत्री श्री विद्यालय, बिंदापुर, नई दिल्ली	12, 15, 16 दिसंबर, 2025
4.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पश्चिम विहार, नई दिल्ली	15-17 दिसंबर, 2025
5.	राजकीय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बिंदापुर, नई दिल्ली	16-18 दिसंबर, 2025
6.	राजकीय बालक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पंडारा रोड, नई दिल्ली	29-31 दिसंबर, 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय, कचाबा, उदयपुर	03-05 दिसंबर, 2025
2.	राजकीय बालिका उच्चतर विद्यालय, हिरण मगरी, उदयपुर	09-11 दिसंबर, 2025
3.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सविना, उदयपुर	15-17 दिसंबर, 2025
4.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तूस डांगियान पंचायत, उदयपुर	16 दिसंबर, 2025
5.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, तूस डांगियान पंचायत, उदयपुर	16-18 दिसंबर, 2025
6.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, परमारड़ा, कुराबड़, उदयपुर	17, 18, 22 दिसंबर, 2025
7.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, डाकन, कोटड़ा, उदयपुर	18 दिसंबर, 2025
8.	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मेडता, मावली, उदयपुर	22-24 दिसंबर, 2025
9.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बिछड़ी, कुराबड़, उदयपुर	22-24 दिसंबर, 2025
10.	राजकीय महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय, बड़ी, उदयपुर	22-24 दिसंबर, 2025
11.	राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, भूपालपुर, उदयपुर	24 दिसंबर, 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जला परिषद उच्च विद्यालय, कोम्पल्ली, दुंडिगल-गंडिमैसम्मा (मंडल), मेडचल-मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना - 500100	01-03 दिसंबर, 2025
2.	जिला परिषद उच्च विद्यालय, दरगाह, हुसैनशावली, रंगा रेड्डी जिला	01-03 दिसंबर, 2025
3.	जिला परिषद उच्च विद्यालय, याप्राल, मंडल आलवाल, जिला मेडचल, तेलंगाना	04-06 दिसंबर, 2025
4.	जिला परिषद उच्च विद्यालय, मियापुर, सेरिलिंगमपल्ली (मंडल), रंगा रेड्डी जिला, तेलंगाना - 500049	04-06 दिसंबर, 2025
5.	राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, रेडक्रॉस, मसाबटैंक, हैदराबाद	15-17 दिसंबर, 2025
6.	जिला परिषद उच्च विद्यालय, कोठागुड़ा, सेरिलिंगमपल्ली, रंगा रेड्डी जिला, तेलंगाना	10-12 दिसंबर, 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	नूनमती उच्च विद्यालय, नूनमती, गुवाहाटी - 20	03-05 दिसंबर, 2025
2.	गुवाहाटी रिफाइनरी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नूनमती, गुवाहाटी - 20	03-05 दिसंबर, 2025
3.	रेलवे उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मालिगांव, गुवाहाटी - 11	09-11 दिसंबर, 2025

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, पटना, दमोह	22-24 दिसंबर, 2025
2.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, अर्थखेड़ा, दमोह	22-24 दिसंबर, 2025

सैनिक स्कूल, गोखराखा, नैनीताल, उत्तराखंड में 'वंदे मातरम् : राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में' विषय पर विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम

स्थान	अवधि
सैनिक स्कूल, गोखराखाल, नैनीताल, उत्तराखंड	02-04 दिसंबर, 2025

टी.वी.एस. मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जगन्नाथपुर, रांची, झारखंड में 'वंदे मातरम् : राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में' विषय पर विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम

स्थान	अवधि
टी.वी.एस. मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, जगन्नाथपुर, रांची, झारखंड	22-24 दिसंबर, 2025

नवम्बर 2025 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 8825 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक गुवाहाटी, असम में 18 से 28 दिसंबर, 2025 तक आयोजित की। इस बैठक में साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 38 विशेषज्ञों को जूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. राहुल कुमार**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)	**श्री आशुतोष**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**डॉ. संदीप शर्मा**, उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II एवं सामान्य प्रशासन)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री राम सरन, उप निदेशक (वित्त)	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर